HINDI

मेरा सपना

मेरा है ये एक प्यारा सा सपना,
हर गली, हर शहर को महका देना।
जनो में भरा है जो ईर्ष्या का जहर,
ढ़ा रहा है वही कहर पर कहर |
सहमी हुई गली-गली, सहमी पड़ी दिशाएँ,
कोना तक न बोलता, सन्नाटा है चहुँ ओर।
सज्जन नही कोई यहाँ, जो राह धर्म की दिखाए,
लेकर ज्ञान की मशाल, दानव अज्ञान को जलाए ।
सीखा है जो शिक्षक से, हम अब पूरा कर दिखलाएँ,
गुरू दक्षिणा देकर उन्हे, आओ समूचे विश्व को सजाएँ ।
सुगंध स्नेह की, सारे जग को महकाएँ,
वसुधैव कुटुम्ब की भावना को जन-जन तक पहुँचाएँ।

— Nishika Mable, *9C*

हमारी असफलताएँ हमें हमारी सफलताओं का मार्ग दिखाते हैं :--

हमारी असफलताओं से हमें हमारी सफलता की ओर जाने का मार्ग दिखता है। यह कहावत हमें यह बताती है कि जब हम किसी काम में सफल नहीं होते हैं, तो हमें निराशा नहीं होनी चाहिए । इसकी बजाय, हमें उन गलतियों से सीखना चाहिए जो हमने की हैं और अगली बार उन्हें सुधारने का प्रयास करना चाहिए ।

जीवन मे असफलता एक सामान्य अनुभव है। हम सभी के पास कुछ न कुछ नाकामयाबी की कहानियाँ होती हैं। लेकिन असफलता का अर्थ है कि हम कुछ गलती कर गए हैं और हमें उससे सीखना चाहिए। जब हम अपनी गलतियों को स्वीकार करते है तब हमारा समय आता है, और हम सफलता की ओर बढ़ सकते हैं।

जब हम अपनी असफलता के पीछे छिपे सच को ध्यान से समझते हैं, तो हमें उन गलतियों से सीखने का मौका मिलता है जिनकी वजह से हमें असफलताओं का सामना करना पड़ा। हमें अपनी कमियों को जानने और समझने की आवश्यकता होती है, ताकि हम उन्हें दूर कर अच्छे काम कर सकें। सफलता के लिए, हमें निरंतर परिश्रम के साथ अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

इसलिए, हमें अपनी असफलता को एक मौका मानना चाहिए, जो हमें अपनी गलतियों से सीखने और सुधार करने का अवसर देता है। हमारी असफलताएँ हमें आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती हैं और हमें सफलता की ओर ले जाती हैं।

— Sushanth V, *10C*

चुटकुले

1. अगर गिलास टूटने के बाद भी घर में खामोशी है, तो समझ लो कि गिलास मम्मी से टूटा है।
2. कोई भी चिंटू से बात नहीं करता। एक दिन, चिंटू को एक जादुई चिराग मिला। चिंटू ने जीनी से माँगा : मुझे एक बड़ी सी गाड़ी दो, जिसमें बहुत सारे लोग मुझसे बात करने के लिए हों और मेरे पास पैसों से भरा बस्ता हो। जीनी ने चिंटू को एक बस का कंडक्टर बना दिया।
3. अकबर : सेनापति यह बताओ कि हम अनारकली को क्यों नहीं ढूँढ पा रहे हैं?
   सेनापति: महाराज क्योंकि हम मुग़ल है, गूगल नहीं ।
4. चिंटू : "डॉक्टर, मुझे लगता है कि मुझे चश्मा लगवाने की जरूरत है।
   डॉक्टर : तुम्हें चश्मे की बिलकुल सख्त जरूरत है क्योंकि तुम डॉक्टर के क्लीनिक में नहीं, बैंक में आए हो।
5. जो लोग बेल बजाने के बजाय दरवाजा खटखटाना पसंद करते हैं उनको ना–बेल पुरुस्कार मिलना चाहिए।

— Arjun Verma, *9D*

मनोहर प्रभात

रात के अंधेरे मे जग था शांत,
धरती नींद से जागो
आया प्रभात ।
सूरज की पहली किरण से,
छुप गए सारे सितारे.
खिल उठे नज़ारे ।
पंछी गाने लगे
फूल खिलने लगे ।
शीतल हवा छा गई चारों ओर
धरती हो गई मनोहर ।
उठो मनुष्य, शुरू करो अपना काम
करो रोशन अपना नाम ।

— Aurnaa Chakraborty, *6E*

प्रेम की रसभरी जीवन कथा

सृष्टि का अद्भुत नजारा,
प्रकृति का अनूठा चित्र।
प्रशांती के पुजारी नगरी,
हर दिल मे बसे प्रेम का चित्र।

प्रेम के आगे सब मिट जाता,
जीवन का हो जाता सुंदर अर्थ।
मिलने की खुशी बिछड़ने का दर्द,
प्रेम रंगीली है, संसार की रस भरी जीवन की कथा।

बादलों के पीछे छिपा है आसमान,
सपनों की उड़ान बदल दे जीवन।
मुसीबतो का सामना कर बिना डर के,
प्रेम की शक्ति से बना जीवन का नया मान।

खुशियों की बौछार छिडकाए ख्वाबों पर,
प्रेम की गाथा बनाए जीवन के हर पल को।
बांधे सबको प्यार के बंधन पल,
सर्वदा रहे प्रेम की गहराइयों में लिपटे सबको।

प्रेम है वो अमृत जो जीवन को जीने का आहवान करे,
भावनाओं का संगीत जो मन मे बहता ।
प्रेम ही है वो तेजस्वी शक्ति,
जो नये उजाले को जगाए।

चलो, प्रेम का फल बिखेरे आज,
अपने हृदय को खुशियों से भरे आज।
प्रेम की मिठास छान कर पिलाएँ,
सबको प्यार का नवजीवन मिले।

— Akash, *9A*

विचार

"शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने में कर सकते हो "

— Mohhamad Zohaan Amir, *3E*

राजाओं के राजा

जिन्होने अखंड भारत का निर्माण किया,
जिन्होने अपने तलवार के दम पे इस देश का इतिहास लिख दिया है।
ये दास्ता है भारत के पहले सम्राट की,
जिनके बारे में इतिहास में सब कुछ तो नहीं मिलता,
लेकिन इस महान भारत का इतिहास उनके बिना लिखा भी नही जा सकता।
जिसने अपने गुरु आचार्य चाणक्य के सपनों को पूरा करते हुए अखंड भारत का निर्माण किया।
जिसका साम्राज्य, हिंदु-कुश के पहाड़ो से ब्रह्मपुत्र की लहरों तक,
दक्षिण में मैसूर की वादियों तक फैला था।
जिसने सिकंदर के सेनापती सेलुकस को युद्ध में परास्त किया,
और उस समय के तानाशाह, धनानंद को मगध के मैदानों में उखाड़ फेंका
वह थे मौर्य साम्राज्य के संस्थापक जिन्होंनें अपने तलवार के दम पर पूरी दुनिया में भारत की धाक जमाई
जी हाँ वे थे भारत के सबसे ताकतवर और बलवान राजा, श्री श्री महाराज अधीराज सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ।

— Mayukh Das, *8B*

मित्रता

यादों की किताब खोलूं तो,
हँसते-खेलते चेहरे नज़र आएँगे, तेरे और मेरे ।
कहते है करना है सच्चा प्यार,
तो पहले बनो एक दूसरे के सच्चे यार,
जो हर मुश्किल में साथ दे,
और हर समय साथ रहे।
जब जीवन में हो सच्चे और अच्छे मित्र,
वह बनाते है हमारा बेहतर चरित्र,
और मिलकर बनते है खुशियों से भरे चित्र ।
सच्चे मित्र दिखाते है हमको हमारा आईना,
जिसका जिंदगी में है बहुत मायना।
दुनिया में हर रिश्ता समय के साथ बदलता है,
पर सच्ची मित्रता का रिश्ता जिंदगी भर चलता है।

— Anay Malot, *8E*

एक नयी कविता

चलो, फिर एक नयी कविता लिखते हैं,
शब्दों के मोती पिरोकर एक – एक पंक्ति में बुनते हैं –
चलो, फिर एक नयी कविता लिखते हैं।

जो जिया है हमने जीवन में,
या जिन तथ्यों के साक्षी हैं,
उस अनुभव की गठरी से एहसासों की माला चुनते हैं,
चलो, फिर एक नयी कविता लिखते हैं। –

हर भाव को शब्द का नाम देकर,
एक-एक शब्द को, जांच-परखकर,
कविता में सम्मिलित करते हैं,
चलो, फिर एक नयी कविता लिखते हैं।

चित में उठे मनोवेगों को – कल्पना से अभिव्यक्त करते हैं,
छंदों की श्रृंखला को – अलंकारों से सुशोभित करते हैं,
चलो, फिर एक नयी कविता लिखते हैं।

— Rakshita Moondra, *9D*

'माँ' और 'मैं'

माँ में मैं नहीं होती
और मैं में माँ नहीं होती।

अगर शायद होती तो माँ माँ ही नहीं होती !
अपने आपको बच्चों की मैं में झोंक देती है,

अपनी मैं के बारे में कभी न सोचती है !
अपनी माँ से बहुत चलवाई अपनी मैं,

और आज माँ होने के नाते अपनी मैं को रोकती है।
बच्चा बूढ़ा और जवान चलाता है अपनी मैं,

और माँ उनकी मैं में अपनी मैं को सौंप देती है।
शायद इसीलिए माँ में मैं नहीं होती,
और मैं जहाँ होती है वहां माँ नहीं होती।

—Ansh kumar, *4E*

कहानियाँ बचपन की

कहानियाँ बचपन की, याद बड़ी आती है,
उड़ते पतंगो को देखकर,
नींद मेरी खुल जाती है,

माँ की लोरियाँ बड़ी सुहानी,
झाड़ू बेलन की बात रूहानी,
भूख लगे तो दमभर कर,
हाथो से खाना अपने बनाती है ।
कहानियाँ बचपन की, याद बड़ी आती है।

जमीन पर लोटकर,
जिद्द बड़ी किया करते थे,
देखकर पिता को अपने
बात सब बन जाती है।
कहानियाँ बचपन की, याद बड़ी आती है।

लड़ना झगड़ना बचपन की बात है,
जब दोस्त अपने साथ है,
घंटो-घंटो साथ उनके,
गप्पे लड़ जाती है।
कहानियाँ बचपन की याद बड़ी आती है।

— Daksh Grag, *8C*

गांधीजी

सच्चाई का लेकर साथ,
और हिंसा को दी मात।
तुमने अपना देश बचाया
गोरों को था दूर भगाया ।
दुश्मन से भी प्यार किया,
मानव पर उपकार किया ।
गांधी ! करते तुम्हें नमन ,
तुम्हें चढाते प्रेम- सुमन ।

— P Prathyus, *4F*

जिन्दगी

ऐसी है, वैसी है,
आखिर कैसी है, ये जिन्दगी ...
उम्मीदों से भरी है,
कल्पनाओं से घिरी है,
अपनी होते हुए भी...
क्यों चार लोगो की गुलाम है-ये जिन्दगी...
डूबो तो-सागर से भी गहरी है,
उड़ो तो-अम्बर से भी ऊँची है
खेलो तो-रंगो से भी रंगीली है,
सुनो तो - सुरों से भी सुरीली है,

क्या सचमुच इतनी खुश भरी है- ये जिन्दगी...
जात-पात के बंधनों में बंधी है,
अमीरी-गरीबी तले दबी है,
वेरा - वेरी के फर्क में सोई है,
मान-अभिमान में खोई है,
सवालों मे घिरी है,
जवाबों में उलझी है,
शायद एक पहेली है- ये जिन्दगी...
ऐसी है, वैसी है ...
आखिर कैसी है-ये जिन्दगी।

— VEDANTH SINGH, *6C*

चुटकुले

1) संजू : मम्मी मैं पढ़ते पढ़ते टीवी देख लूँ क्या?
मम्मी : हाँ हाँ बेटा देख लो बस चालू मत करना।

2) टीचर : टीटू, स्वर और व्यंजन में फर्क बताओ।
टीटू : सर, स्वर मुँह से बाहर निकलते हैं और व्यंजन मुँह के अंदर जाते हैं।

3) गोलू पेड़ पर उल्टा लटका हुआ था।
मोलू ने पूछा -क्या हो गया ?
गोलू- कुछ नहीं, सिर दर्द की गोली खाई है, कहीं पेट में ना चली जाए।

— SWAGAT PRADHAN, *4D*

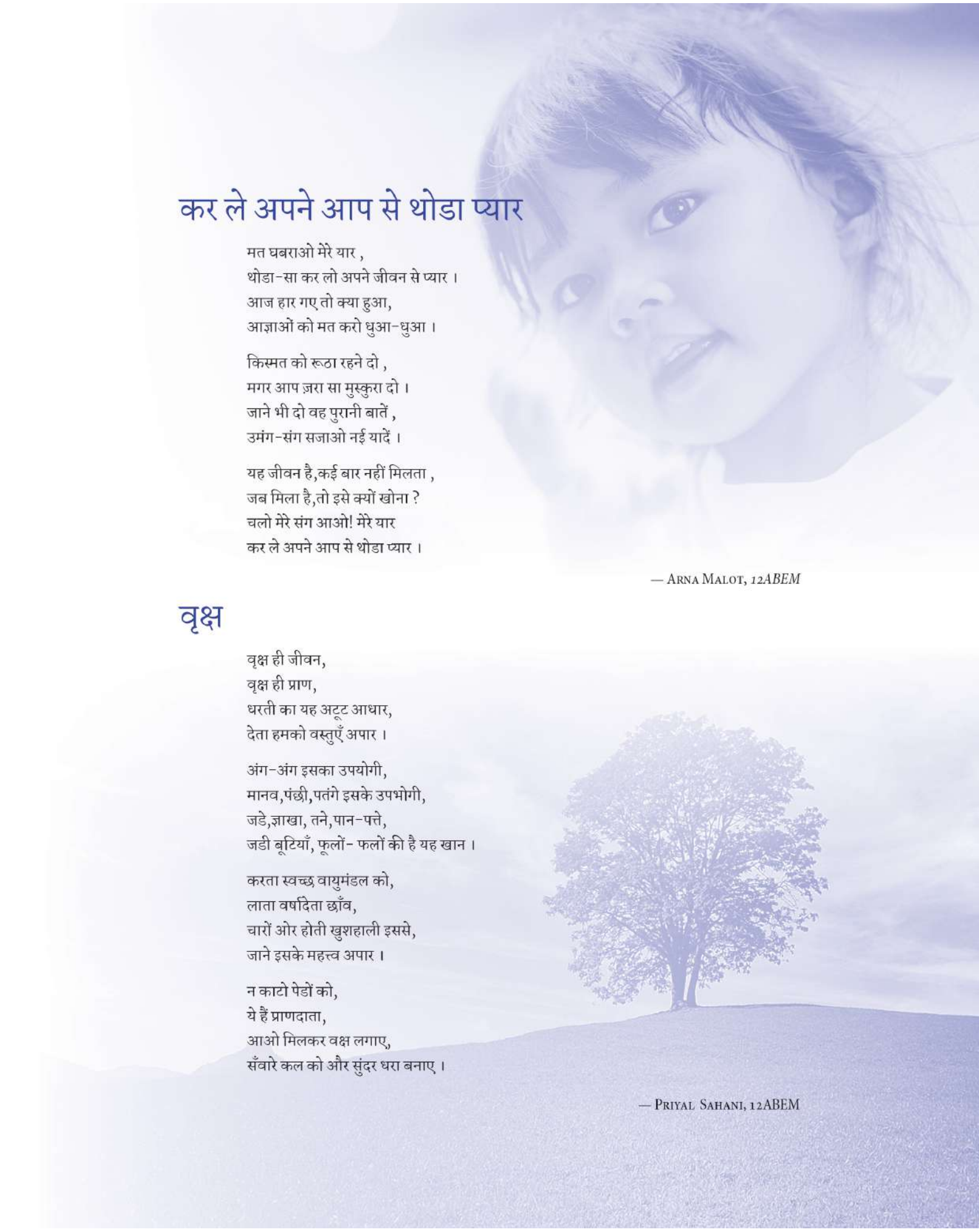

कर ले अपने आप से थोडा प्यार

मत घबराओ मेरे यार ,
थोडा-सा कर लो अपने जीवन से प्यार ।
आज हार गए तो क्या हुआ,
आज्ञाओं को मत करो धुआ-धुआ ।

किस्मत को रूठा रहने दो ,
मगर आप ज़रा सा मुस्कुरा दो ।
जाने भी दो वह पुरानी बातें ,
उमंग-संग सजाओ नई यादें ।

यह जीवन है,कई बार नहीं मिलता ,
जब मिला है,तो इसे क्यों खोना ?
चलो मेरे संग आओ! मेरे यार
कर ले अपने आप से थोडा प्यार ।

— Arna Malot, *12ABEM*

वृक्ष

वृक्ष ही जीवन,
वृक्ष ही प्राण,
धरती का यह अटूट आधार,
देता हमको वस्तुएँ अपार ।

अंग-अंग इसका उपयोगी,
मानव,पंछी,पतंगे इसके उपभोगी,
जडे,ज़ाखा, तने,पान-पत्ते,
जडी बूटियाँ, फूलों- फलों की है यह खान ।

करता स्वच्छ वायुमंडल को,
लाता वर्षादेता छाँव,
चारों ओर होती खुशहाली इससे,
जाने इसके महत्त्व अपार ।

न काटो पेडों को,
ये हैं प्राणदाता,
आओ मिलकर वक्ष लगाए,
सँवारे कल को और सुंदर धरा बनाए ।

— Priyal Sahani, 12ABEM

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए ।
माता-पिता से पहले आते,
जीवन में सदा आदर पाते ।

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे ।
कभी रहा न दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथप्रदर्शक है जो ।
मेरे मन को भाता,
वह मेरे शिक्षक कहलाते ।

कभी है ज्ञांत.कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर ।
मन में दबी रही ये इच्छा,
काञ्झ मैं उन जैसा बन पाता ,
जो मेरे शिक्षक कहलाते ।

— Dev Maruthi Mohanty, *8D*

बिल्ली की खिल्ली

एक बिल्ली की उड़ गई खिल्ली,
कैसे जी,कैसे जी।
सुनो ध्यान से घटी घटना,
ऐसे जी,ऐसे जी।

एक दिन बिल्ली ने सोचा ,
देख कर आऊँ मैं पिक्चर।
बिना टिकट के चुपके -चुपके,
पहुँची सिनेमा घर के अंदर।

सिनेमा हॉल के पर्दे पर,
दूध मलाई आई नजर।
झपट पड़ी वह पर्दे पर ,
पर्दा फट गया फर-फर-फर।

— Om Mangesh Sudrik, *4B*

तिरंगा

देखो बच्चों झंडा प्यारा
तीन रंगों का मेल है सारा
सदा रहे यह झंडा उचा
आकाजञ्ज को रहे यह छुता
सदा करो तुम इसका मान
कभी न करना इसका अपमान
झंडा है देश की शान
बना रहे यह सदा महान
जयहिन्द !

— Dhyuti Pramod, *4F*

ओस

हरी घास पर बिखेर दी है
ये किसने मोती की लडियाँ?
कौन रात में गूँथ गया है
ये उज्ज्वल हीरों की कडियाँ?
जुगनू से जग-मग,जग-मग है
कौन चमकते है यों चमचम?
नभ के नन्हें तारो से ये
कौन दमकते है यों दमदम?
लुटा गया है कौन जौहरी
अपने घर का भरा खज़ाना?
पत्तों पर, फूलों पर पगपग
बिखरे हुए रतन है नाना।
बडे सवेरे मना रहा है
कौन खुशी में यह दिवाली?
वन उपवन में जला दी है
किसने दीपावली निराली?
जी होता,इन ओसकणो को
इनकी शोभा निरख -निरखकर
इन पर कविताएँ बनाऊँ।

— Rishita Agarwal, *5E*

शिक्षक दिवस

अँधेरे जीवन में हमारे ,
सवेरा लाते हें
नया सवेर लाते हैं ।
उनकी ऊँची जान हैं ,
शिक्षक वो कहलाते हैं ।

तरह तरह की शिक्षा देकर ,
काबिल इंसान बनाते हैं ।
उनकी अलग पहचान है ,
शिक्षक वो कहलाते हैं ।

सही गलत और सच झूठ का ,
पाठ वो पढाते हैं ।
उनका उत्तम स्थान है ,
शिक्षक वो कहलाते हैं ।

— T Aradhya, *5A*

मत थक, कर प्रयास

मत थक, कर प्रयास
सागर में फिर से कर मोती तलाश
तुम जीवन हो,ज्ञान हो
तुम विराट हो, शक्तिमान हो
नदी साचल सरोवर सा रूक नहीं
अपनी ख्वाहिशों को सीमित कर नही
सफलता की ओर कदम जब बढ़ाओगे
जो सोचा हासिल कर पाओगे
स्वीकार करो हर एक चुनौती
सुधार लो, जो हो गई गलती
मत हो निराश, कर अभ्यास
मन में फिर से भर विश्वास
तुम आस हो, प्रकाश हो
तुम साहस हो, संघर्ष हो
लक्ष्य को प्राप्त करो, रहो हर पल तैयार
जब तक न सफल हो, मानो नहीं तुम हार ।

— Swagat Pradhan, *4D*

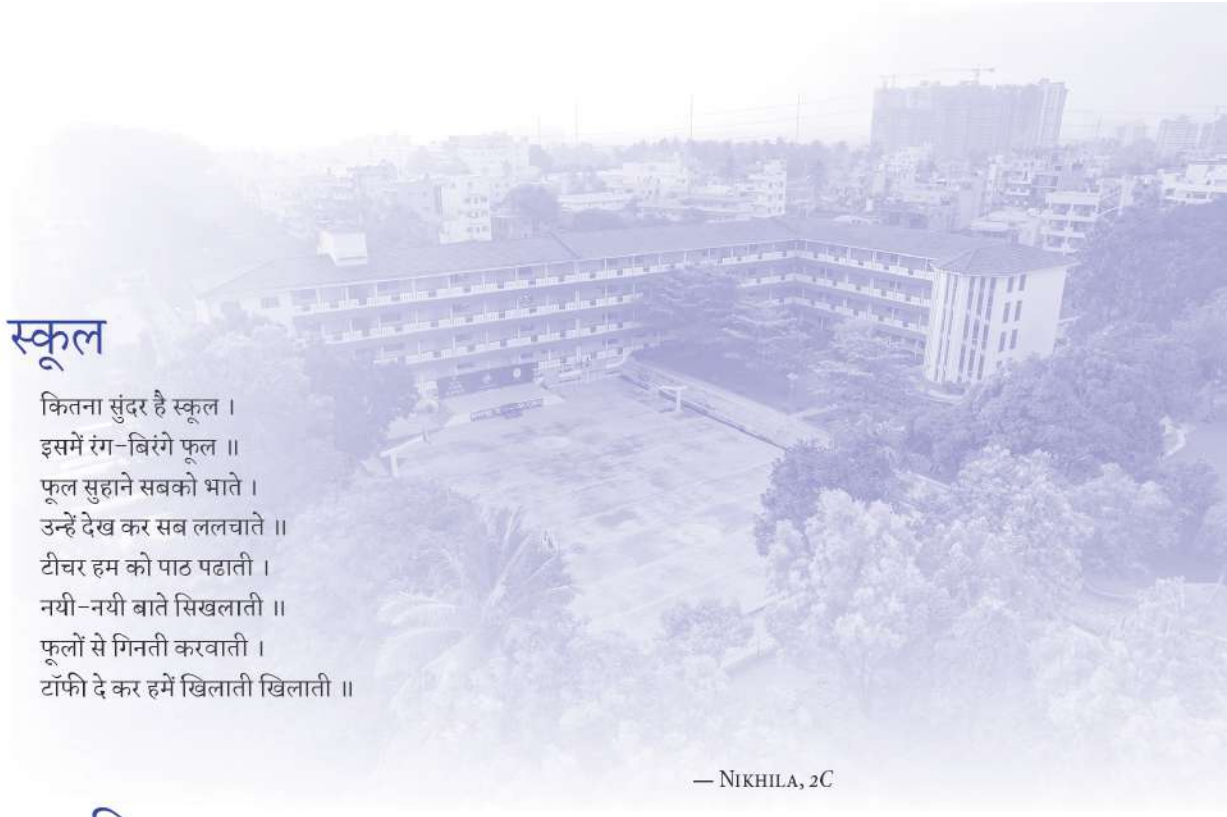

मेरा स्कूल

कितना सुंदर है स्कूल ।
इसमें रंग-बिरंगे फूल ॥
फूल सुहाने सबको भाते ।
उन्हें देख कर सब ललचाते ॥
टीचर हम को पाठ पढाती ।
नयी-नयी बाते सिखलाती ॥
फूलों से गिनती करवाती ।
टॉफी दे कर हमें खिलाती खिलाती ॥

— Nikhila, *2C*

माँ पर कविता

प्यारी जग से प्यारी माँ ,
खुशियाँ देती सारी माँ ,
चलना हमें सिखाती माँ ,
मंजिल हमें दिखाती माँ,
सबसे मीठा बोल है माँ,
दुनिया में अनमोल है माँ,
खाना हमें खिलाती है माँ,
लोरी गा कर सुलाती है माँ,
प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ।

— Kavin, *3F*

शेर का आसन

श्र जंगल का राजा होता है। वह अपने जंगल में सबको डरा कर रखता है। शोर भयंकर और बलशाली होता है। एक दिन शहर का राजा जंगल में घूमने गया। शेर ने देखा राजा हाथी पर आसन लगा कर बैठा है। शेर के मन मे भी हाथी पर आसन लगाकर बैठने का उपाय सूझा। शेर ने जंगल के सभी जानवरों को बताया और आदेइञ्ज दिया कि हाथी पर एक आसन लगाया जाए। झट से आसन लग गया। जोर उछल कर हाथी पर लगे आसन मे जा बैठा। हाथी पर लगा आसन हिल जाता है और शेर धडाम से नीचे गिर जाता है। शेर की टाँग टूट जाती है। शेर खडे होकर कहता है-"पैदल चलना ही ठीक रहता है!"

—Liya Mary, *2C*

अम्मा जरा देख तो ऊपर

अम्मा!जरा देख, तो ऊपर
चले आ रहे हैं, बादल
गरज रहे हैं,बरस रहे है।
दिख रहा है, जल ही जल।

हवा चल रही, क्या पुरवाई
भीग रही है,डाली-डाली
ऊपर काली घटा घिरी है,
नीचे फैली हरियाली |

भीग रहे हैं, खेत,बाग,वन
भीग रहे हैं घर,आँगन
बाहर निकल में भी भीगूँ
चाह रहा है मेरा मन।

— Riddhi Garg, *3A*

सवेरा

सरज निकला मिटा अंधेरा
देखो बच्चों हआ सवेरा।
आया मीठी हवा का फेरा
चिड़ियों ने फिर छोड़ा बसेरा।
जागो बच्चों अब मत सोओ
इतना सुन्दर समय न खोओ।

— Samiksha S, *4B*

सपने

"सपने तभी सच होते हैं जब हम उनकी ओर आगे बढ़ते हैं, उनके पीछे छिपे भय को दूर करते हैं और निरंतर मेहनत करते हैं। जब हम अपने सपनों के पीछे लग जाते है, तो सारी दुनिया हमारे साथ मिल जाती है। धैर्य और समर्पण के साथ प्रगति करो, और देखो, हम कितनी ऊँचाइयों को छू सकते Wæû!"

व्याख्या: इस विचार का मुख्य संदेश है कि, सपने सच होने के लिए हमें उनकी पूर्ति के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। हमें अपने सपनों की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, अपने मन में छिपे भय को दूर करना चाहिए, और निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। जब हम अपने सपनों के पीछे लग जाते हैं, तो पूरी दुनिया हमारे साथ होती है। धैर्य और समर्पण से हम प्रगति कर सकते हैं और देख सकते हैं कि हम कितनी ऊँचाइयों को छू सकते हैं। इसलिए, सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

— Advika Pandey, *5C*